3. भारतवर्ष की सांस्कृतिक समस्या निबंध का प्रतिपाद्य लिखिए। (15)

अथवा

'अपनी खबर' में निहित बेचन शर्मा उग्र के जीवन संघर्ष का वर्णन कीजिए।

4. सुभान खाँ के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए। (15)

अथवा

"वैष्णव की फिसलन एक महत्त्वपूर्ण व्यंग्य है" कथन की समीक्षा कीजिए।

5. 'जातियों का अनूठापन' निबन्ध का प्रतिपाद्य लिखिए। (15)

अथवा

'निराला की साहित्य साधना' में संकलित 'नये संघर्ष' का सार अपने शब्दों में लिखिए।

[This question paper contains 4 printed pages.]

29.05.2024(M)

आपका अनुक्रमांक...........

Maitreyi College ★ 2021 LIBRARY Chanakyapuri, New Delhi-

Sr. No. of Question Paper : 1411 **H**

Unique Paper Code : 12051602

Name of the Paper : हिन्दी निबंध और अन्य गद्य विधाएँ

Name of the Course : **B.A. (H) HINDI**

Semester : VI

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।**

1. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (8+7=15)

(क) मजदूरी करने से हृदय पवित्र होता है; संकल्प दिव्य लोकांतर में विचरते हैं। हाथ की मजदूरी ही से सच्चे ऐश्वर्य की उन्नति होती है। जापान में मैंने कन्याओं और स्त्रियों को ऐसी कलावती देखा है कि वे रेशम के छोटे-छोटे टुकड़ों को अपनी जानकारी की बदौलत हजारों की कीमत का बना देती हैं, नाना प्रकार

के प्राकृतिक पदार्थों और दृश्यों को अपनी सुई से कपड़े के ऊपर अंकित कर देती है। जापान निवासी कागज, लकड़ी और पत्थर की बड़ी अच्छी मूर्तियाँ बनाते हैं।

अथवा

मैंने तीन तरफ से हिंदू-मुस्लिम का संधान पाया है। एक मार्ग संत और विद्वज्जनों का रहा है। हिंदू और मुस्लिम जनता वस्तुत: उच्चतर अर्थ में एक ही धर्म का पालन करती है-इस विषय पर फारसी में कुछ पुस्तकें लिखी गई थीं। एक 'मज्म-अ-उलबहरन' दाराशिकोह की लिखी है। इसका अंग्रेजी में भाषान्ततर मैंने देखा है। पुस्तक में हिंदू-मुस्लिम धर्मों का सम्मिलन कराने का प्रयास है। हिंदी में भी ऐसी पुस्तकें लिखी गई हैं। ऐसी पुस्तकें भी बहुत हैं जिनमें कुरान और गीता तथा वेद और कुरान के भक्तिमय आवेग वाले पद्यों में भी समानता खोजी गई है। यह एक तरह का प्रयास है, परंतु मुझे इसमें सफलता मिलती नहीं दिखायी दी। वस्तुत: प्रत्येक हिंदू और प्रत्येक मुसलमान जानता है कि उच्चतर आध्यात्मिक क्षेत्र में कहीं मतद्वैष नहीं है।

(ख) समाज तथा सामाजिक व्यक्ति सापेक्ष शब्द है, कारण, सामाजिक प्राणी के विकास के लिए समाज का आविर्भाव हुआ है तथा समाज के विकास के लिए व्यक्ति को अधिकार एवं सुविधाएँ प्राप्त हुई हैं। नागरिक शब्द केवल अपने शब्दिक अर्थ में प्रयुक्त न होकर इतना व्यापक हो गया है कि उससे केवल नागर निवासी

का बोध न होकर न्याय और कानून-सम्बंधी अनेक अधिकार एवं सामाजिक उत्तरदायित्व से युक्त व्यक्ति का ज्ञान होता है। व्यक्ति सामूहिक विकास को दृष्टि में रखते हुए शासित भी होता है और शासन में हस्तक्षेप तथा परिवर्तन करने का अधिकरी भी।

अथवा

जिन कितने देवताओं की मनौती के बाद माँ ने मुझे याद किया था, उनमें एक हुसैन साहब भी थे। नौ साल की उम्र तक, जब तक जनेऊ नहीं हो गई थी, मुहर्रम के दिन मुसलमान बच्चों की तरह मुझे भी ताजिए को चारों ओर रंगीन छड़ी लेकर कूदना पड़ा है और गले में गंडे पहनने पड़े हैं मुहर्रम उन दिनों मेरे लिए कितनी खुशी का दिन था। नए कपड़े पहनता, उछलता-कूदता, नए-नए चेहरे और तरह-तरह के खेल देखता-धूम-धक्कड़ में किस तरह चार पहर गुजर जाते! ठस मुहर्रम के पीछे जो रोमांचकारी, हृदय को पिघलाने वाली, करुण रस से भरी दर्दअंगेज घटना छिपी है, उन दिनों उसकी खबर भी कहाँ थी!

2. मेले का ऊँट, निबंध में नीहित व्यंग्य की सोदाहरण विवेचना कीजिए। (15)

अथवा

मजदूरी और प्रेम निबन्ध का उद्देश्य लिखिए।